सैली राइड

महिला एस्ट्रोनॉट

एन मैरी एंडरसन

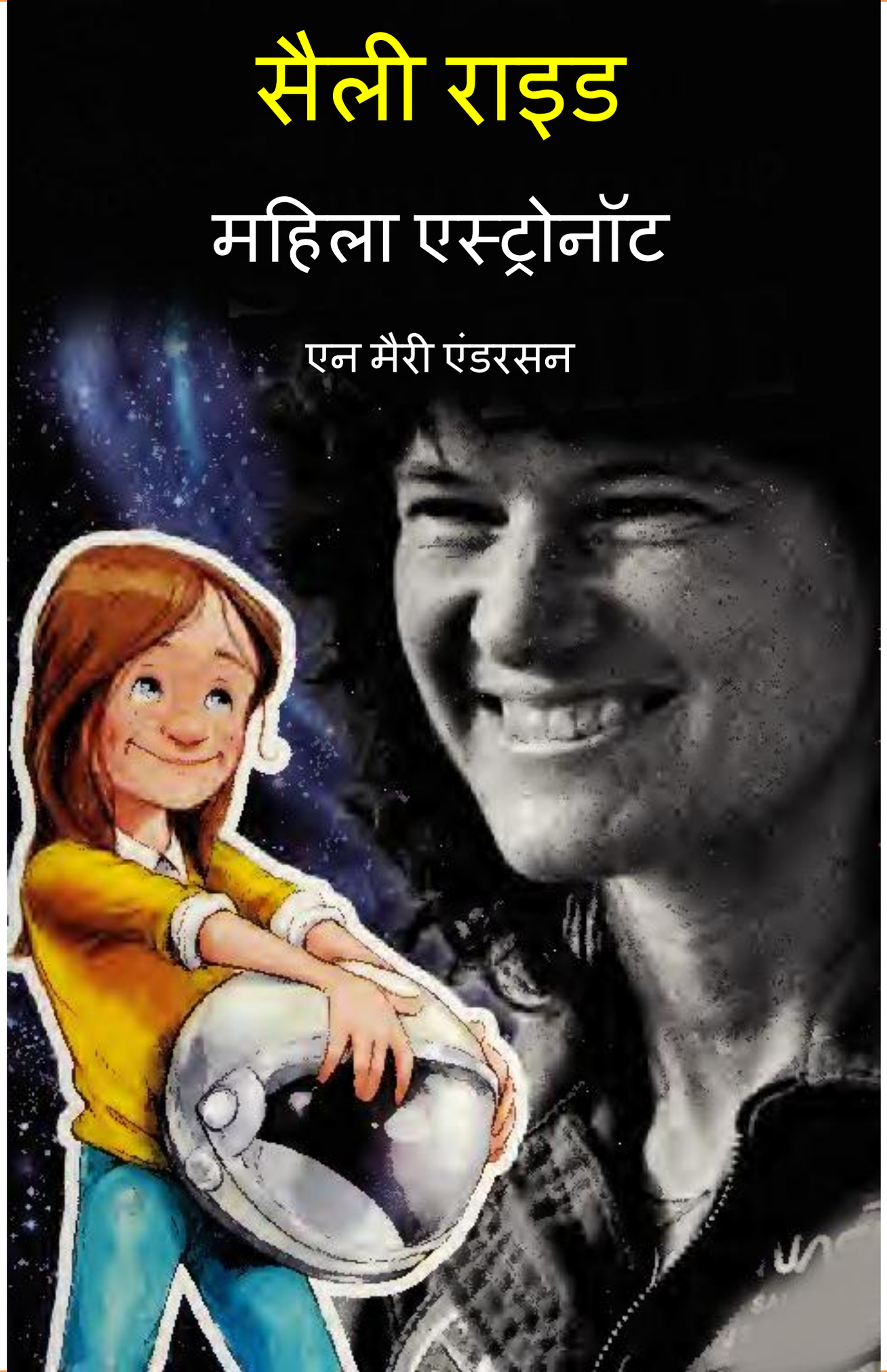

सैली राइड

महिला एस्ट्रोनॉट

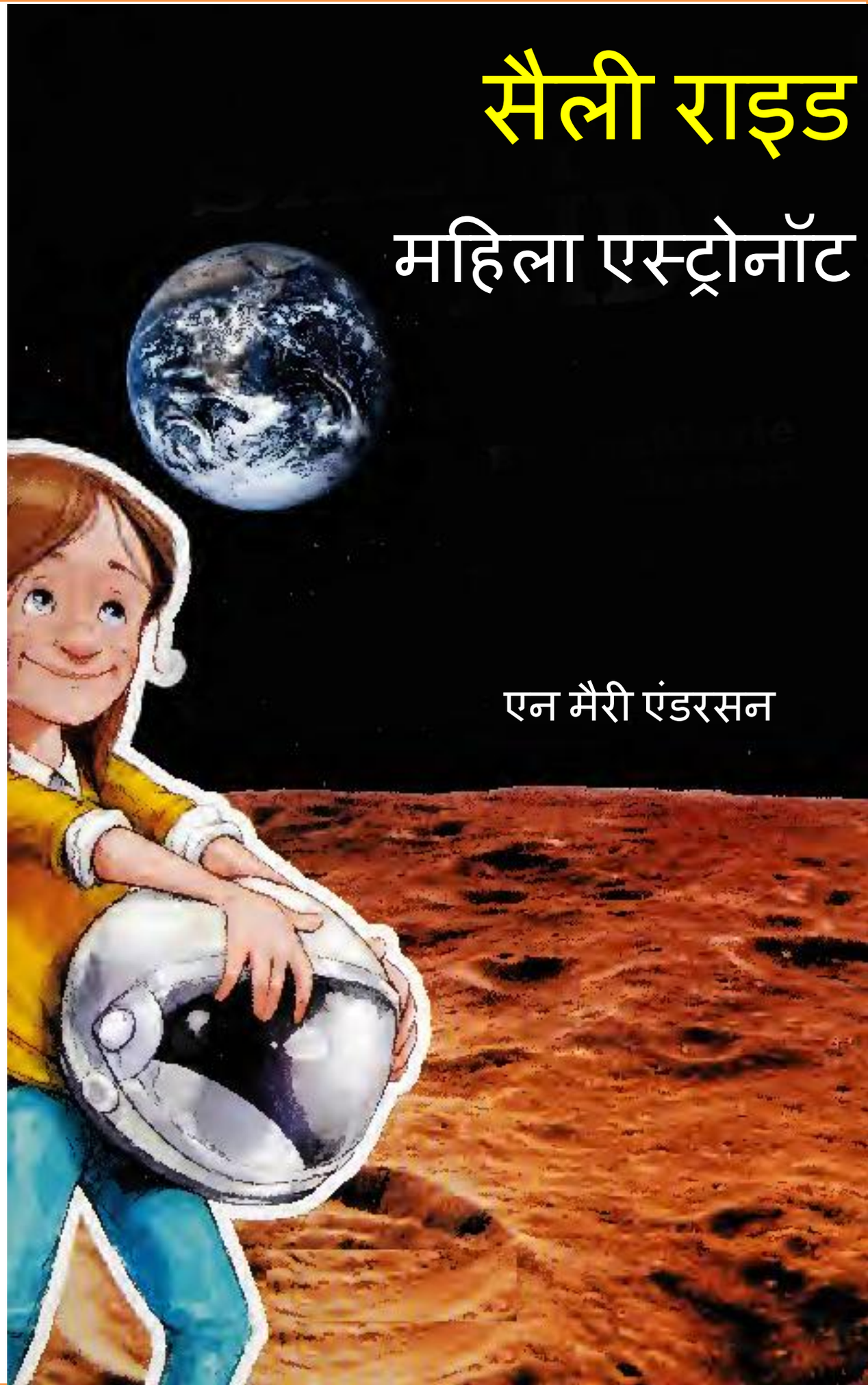

एन मैरी एंडरसन

मेरा नाम सैली क्रिस्टन राइड है. मेरा जन्म 26 मई 1951 को लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में हुआ था. मेरे पिताजी, डेल, एक कॉलेज के प्रोफेसर थे और मेरी माँ जॉयस, एक शिक्षक थीं. मेरी एक छोटी बहन थी जिसका असली नाम कैरन था, लेकिन मैं उसे "बेयर" बुलाती थी क्योंकि मुझे उसके नाम के उच्चारण में मुश्किल आती थी!

मैं तमाम किताबों के साथ एक आरामदायक घर में पली-बढ़ी. मुझे पढ़ना पसंद था. मुझे रहस्यमयी, जासूसी कहानियां और विज्ञान के कथा उपन्यास पसंद थे. मुझे नैन्सी ड्रू, जेम्स बॉन्ड और सुपरमैन की किताबें भी पसंद थीं. मुझे विज्ञान से भी प्यार था. मेरे पास खुद का रसायन विज्ञान का सेट और एक दूरबीन थी. उनके साथ प्रयोग करने में मैं बहुत समय बिताती थी.

मुझे खेलकूद में भी रूचि थी. मैं अखबार के खेल पृष्ठ पढ़ती थी, खासकर अगर मेरी पसंदीदा बेसबॉल टीम, "लॉस एंजिल्स डॉजर्स" के बारे में कोई लेख होता. मुझे उन खिलाड़ियों की रेटिंग और उनके बल्लेबाजी के औसत के आंकड़े मुंहज़ुबानी याद थे. मैं सपना देखती थी कि काश मैं एक दिन डोजर्स के लिए बेसबॉल खेल सकूं.

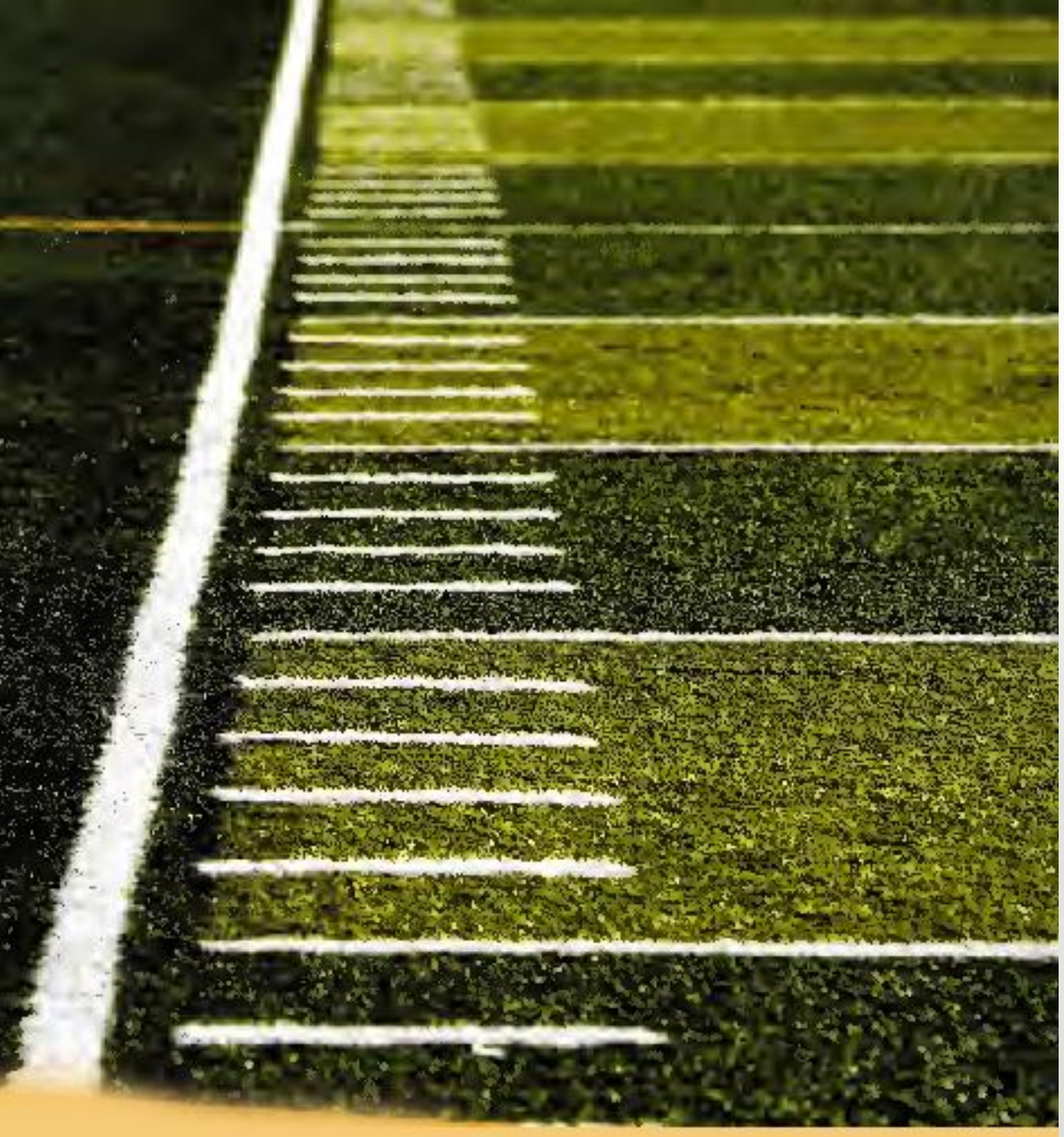

जब मैं खेल के बारे में नहीं पढ़ रही होती थी, तो मैं पड़ोस में बच्चों के साथ फुटबॉल, सॉफ्टबॉल, या फुटबॉल खेल रही होती थी. मैं शायद अकेली लड़की थी और बाकी खिलाड़ी सब लड़के थे. लेकिन मैं सिर्फ जीतना ही चाहती थी! मैंने जीवन में जल्दी ही सीखा कि टीम स्पिरिट बहुत ज़रूरी चीज़ थी. इसलिए जब टीम का चयन होता तो अक्सर टीम में सबसे पहले मैं ही चुनी जाती थी.

खेलों के प्रति मेरा प्यार मुझे टेनिस तक ले गया. मैंने कठिन अभ्यास किया और अच्छा खेलने का दृढ़ निश्चय किया. बारह वर्ष की उम्र में मैं पूरे अमेरिका में हो रही प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले रही थी - और उन्हें जीत भी रही थी! अब बड़े होने पर डोजर्स के लिए खेलने के बजाए, मैं अब एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी बनना चाहती थी.

मेरी टेनिस प्रतिभा के कारण मुझे लॉस एंजिल्स के एक निजी हाई-स्कूल में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति मिली. जूनियर वर्ष में, डॉ. एलिजाबेथ ममॉर्ट्स ने हमें फिजियोलॉजी का विषय पढ़ाया. उस क्लास ने मेरी जिंदगी ही बदल दी.

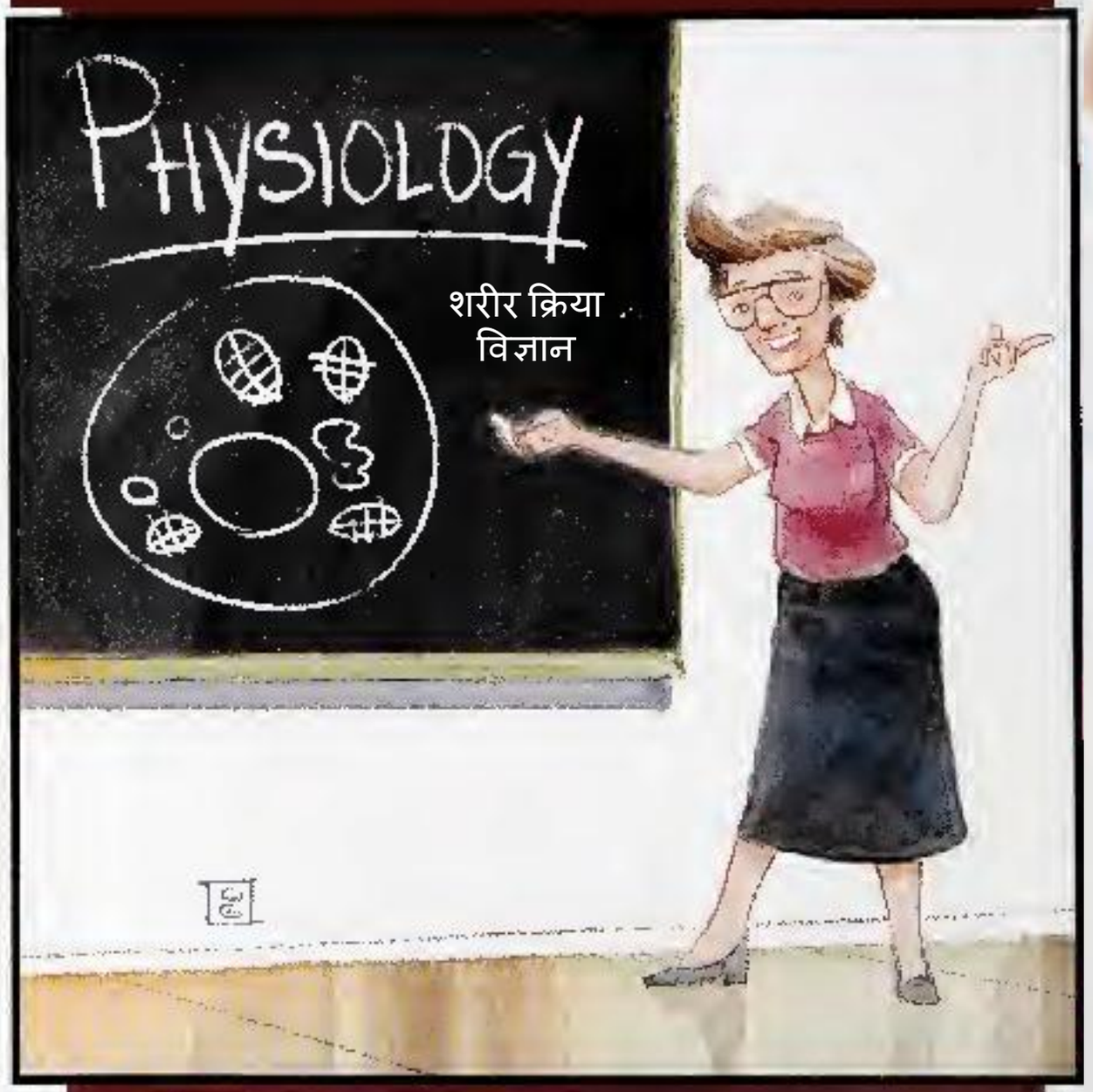

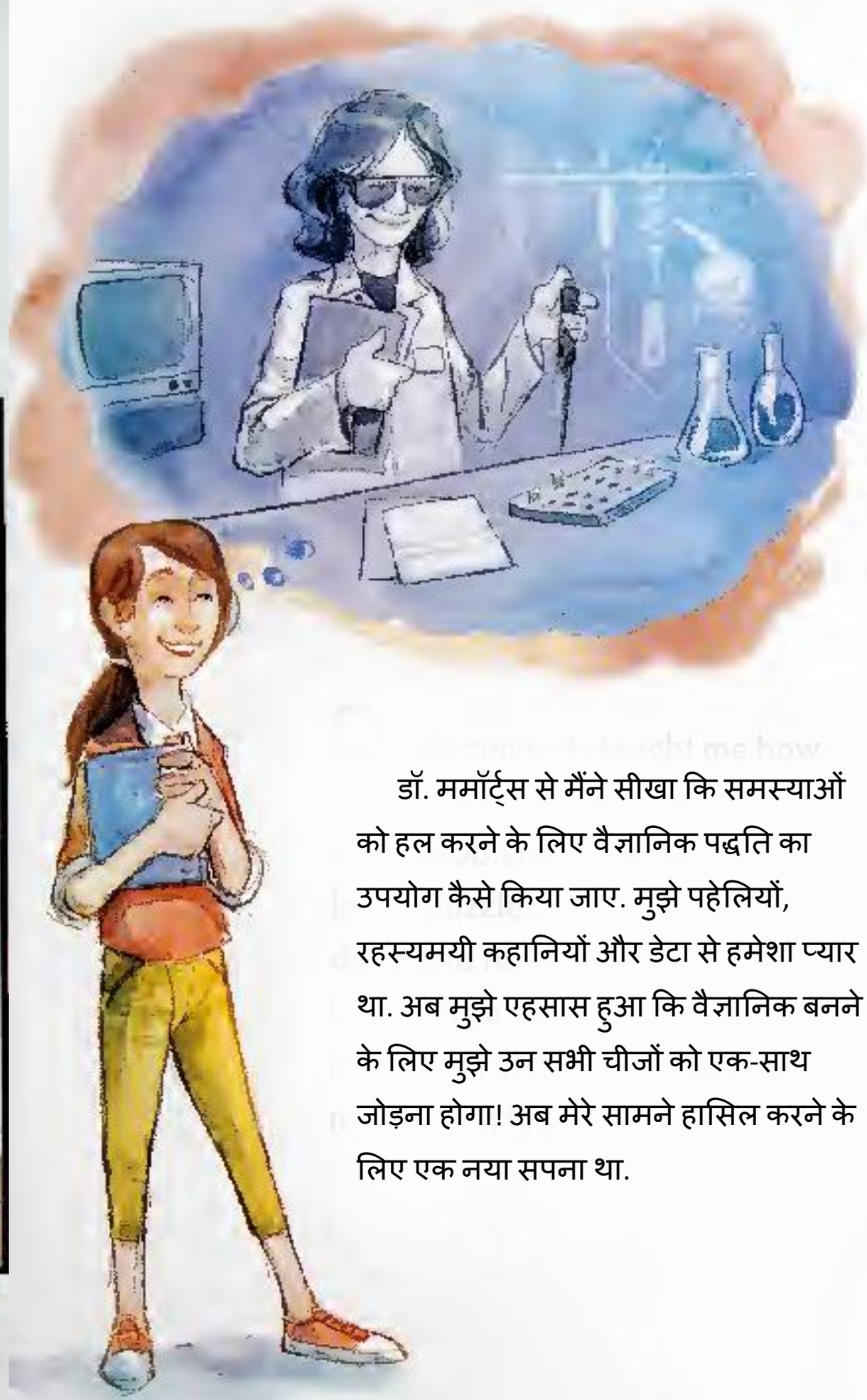

डॉ. ममॉर्ट्स से मैंने सीखा कि समस्याओं को हल करने के लिए वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग कैसे किया जाए. मुझे पहेलियों, रहस्यमयी कहानियों और डेटा से हमेशा प्यार था. अब मुझे एहसास हुआ कि वैज्ञानिक बनने के लिए मुझे उन सभी चीजों को एक-साथ जोड़ना होगा! अब मेरे सामने हासिल करने के लिए एक नया सपना था.

मेरा कॉलेज,
स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी

हाई स्कूल में मैं अपनी कक्षा के पहले छह छात्रों में रही. तब मैंने भौतिकी का अध्ययन किया. फिर कैलिफोर्निया के पालो ऑल्टो के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में दाखिला लेने से पहले मैंने स्वारथमोर कॉलेज में टेनिस खेला.

स्टैनफोर्ड में मुझे अपनी विज्ञान कक्षाएं पसंद थीं. लेकिन अपने जूनियर वर्ष में, मैंने नाटककार विलियम शेक्सपियर के बारे में एक विशेष कोर्स पढ़ा. मुझे उनके नाटक बहुत पसंद आए! 1973 में जब मैंने स्टैनफोर्ड से स्नातक की उपाधि प्राप्त की तो मुझे दो डिग्रियां मिलीं - एक भौतिकी में, और दूसरी अंग्रेजी में.

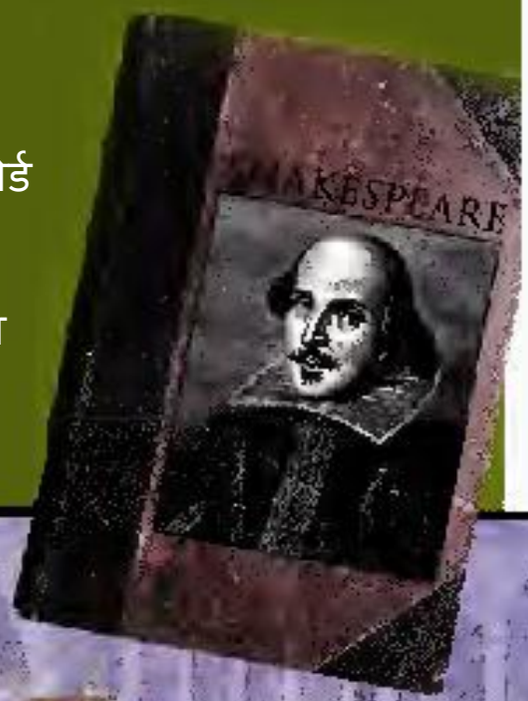

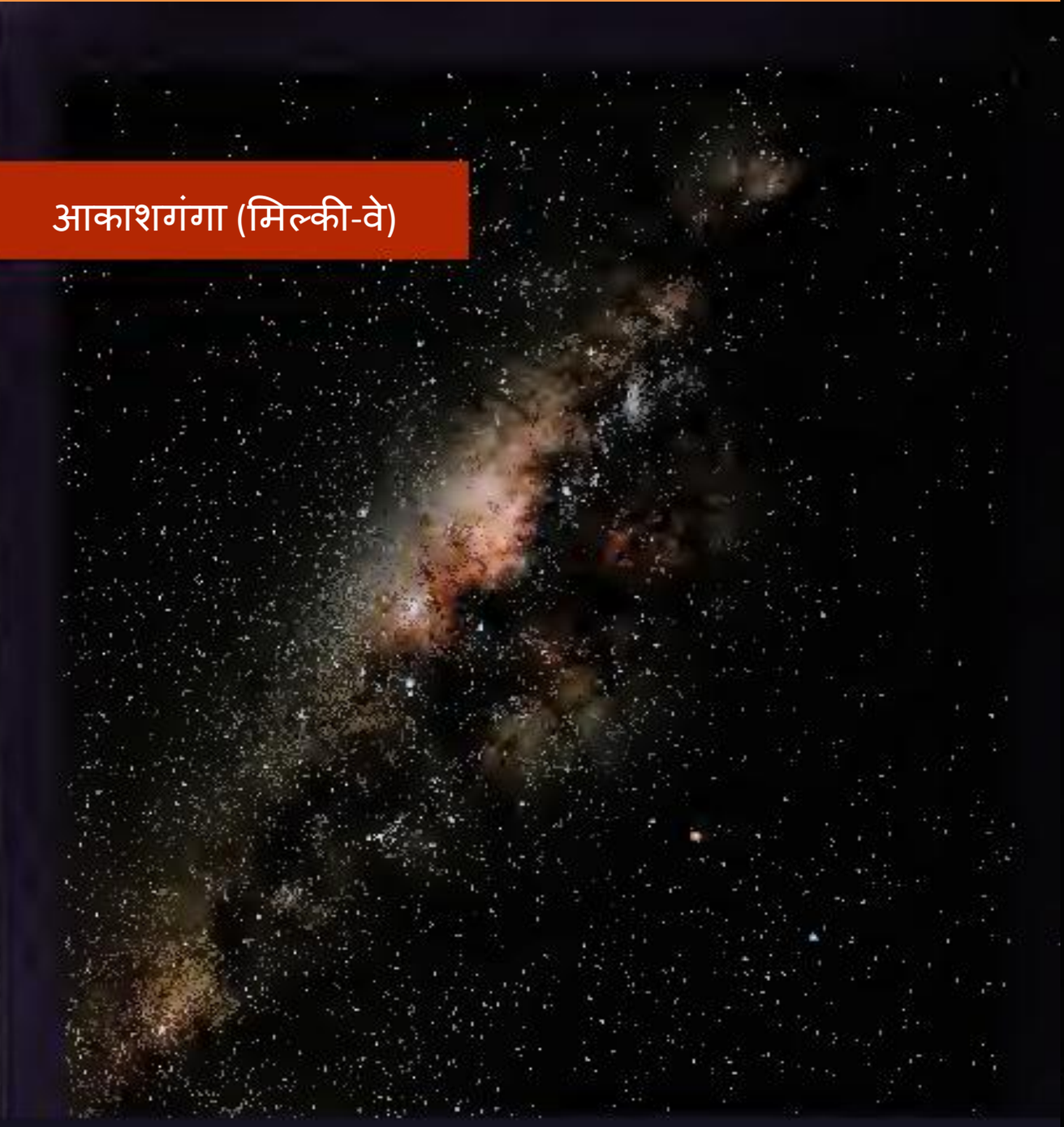

मैं पांच और वर्षों तक स्टैनफोर्ड में रही. मैंने भौतिकी में मास्टर्स डिग्री और खगोल भौतिकी में पीएचडी हासिल की. स्टैनफोर्ड के मेरे शोध में, सितारों द्वारा फेंकी ऊर्जा का अध्ययन भी शामिल था. पर मुझे यह पता नहीं था कि मैं अब किस प्रकार की नौकरी करूंगी - क्योंकि मैं कॉलेज छोड़ने के बाद अब डॉ. सैली राइड बन गई थी!

फिर एक दिन मैं "स्टैनफोर्ड डेली" अखबार पढ़ रही थी. उसमें मुझे नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) का एक विज्ञापन दिखा जिसमें उन्हें पैंतीस नए अंतरिक्ष यात्रियों की तलाश थी. उसमें पहली बार, महिलाओं की अर्ज़ियों को आमंत्रित किया गया था. अचानक, मुझे पता चला कि मैं क्या काम करना चाहती थी - मैं एक अंतरिक्ष यात्री बनना चाहती थी! मैंने उसी दिन अपनी अर्ज़ी भेजी.

क्या मैं अंतरिक्ष यात्री
बन सकती थी?

7,000 से अधिक पुरुषों और 1,000 महिलाओं ने उस विज्ञापन के लिए अपनी अर्ज़ियाँ भेजीं. 208 की फाइनल लिस्ट में मेरा भी नाम था. एक सप्ताह के इंटरव्यू और महीनों की प्रतीक्षा के बाद, मुझे नासा से एक फोन कॉल आया जिसमें मुझे 1979 के अंतरिक्ष यात्री-वर्ग में पांच अन्य महिलाओं और उनतीस पुरुषों के साथ चुना गया था. उससे मैं बहुत रोमांचित हुई!

अगले पूरे वर्ष अन्य अंतरिक्ष यात्री सहपाठियों के साथ मैंने स्पेस-शटल (अंतरिक्ष यान) के बारे में सब कुछ सीखा. हमने गणित, कंप्यूटर विज्ञान, नेविगेशन, मौसम विज्ञान, भौतिकी और इंजीनियरिंग का अध्ययन किया. मैंने हर दिन दौड़ लगाई और अपनी सेहत बनाए रखने के लिए वजन उठाए. मैंने नासा के कोर्स के दौरान पैराशूट से कूदना भी सीखा.

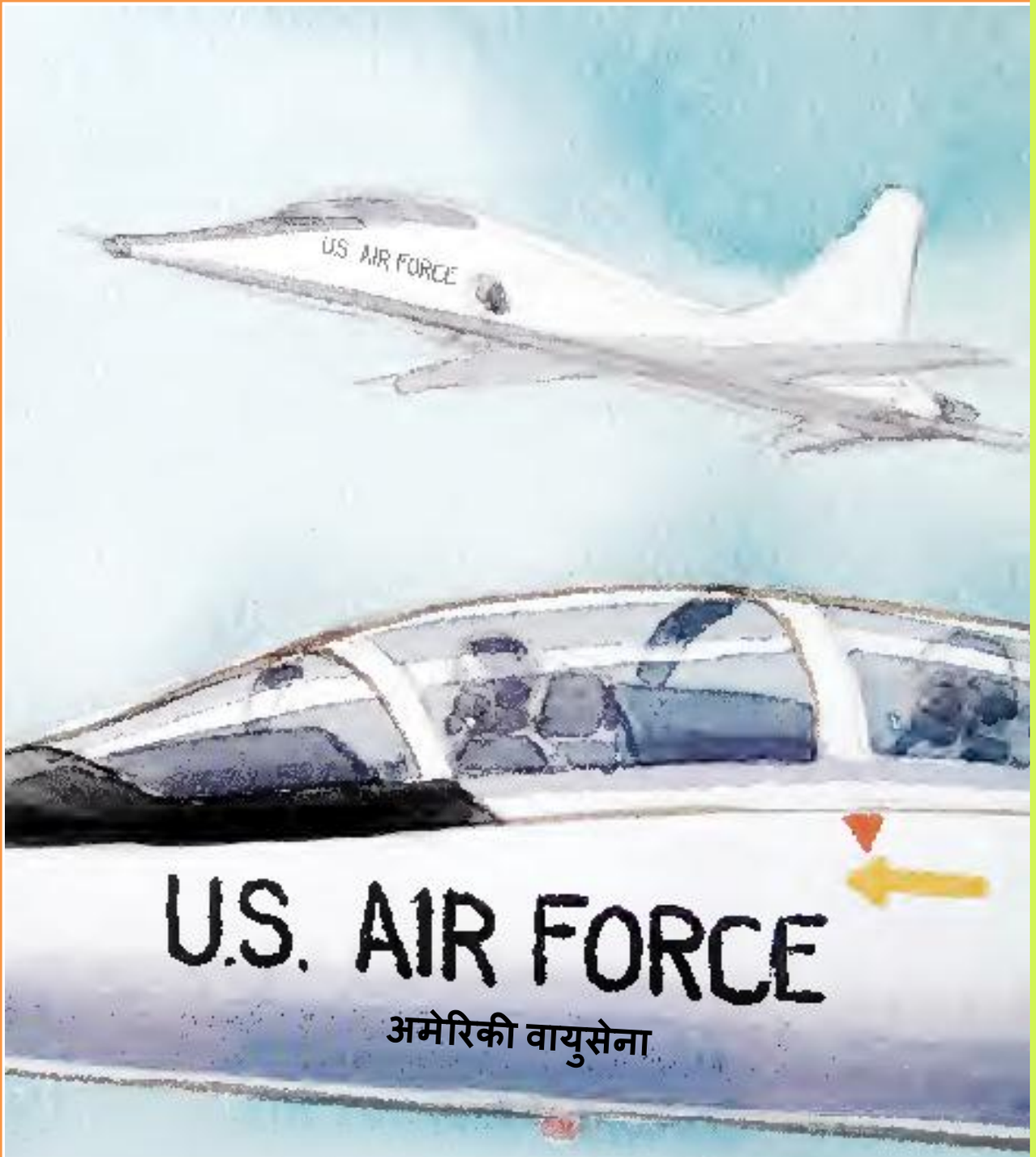

अमेरिकी वायुसेना

हालांकि केवल कुछ अंतरिक्ष यात्री ही पायलट होते हैं, लेकिन सभी अंतरिक्ष यात्रियों को दो-सीटर टी-38 जेट यान में प्रशिक्षण लेना पड़ता था. क्योंकि मुझे उड़ना बहुत पसंद था इसलिए मैंने अपने लिए पायलट लाइसेंस हासिल किया.

एक साल के प्रशिक्षण के बाद, मैं एक अंतरिक्ष यात्री बनी. लेकिन मुझे अभी कोई अंतरिक्ष मिशन नहीं सौंपा गया, और उसमें कई साल तक लग सकते थे. इस बीच, मैं इंजीनियरों की एक टीम में शामिल हुई. हमने एक विशेष पचास फुट लंबा रोबोटिक हाथ विकसित किया जिसे रिमोट मैनिपुलेटर सिस्टम या RMS कहा जाता था और जिसका उपयोग मिशन के दौरान होना था.

RMS एक्शन में

मैं नासा की पहली महिला कैप्सूल कम्युनिकेटर या "कैपकॉम" भी बनी. “कैपकॉम” पृथ्वी पर वो एकमात्र व्यक्ति होता है जिसे अंतरिक्ष में, अंतरिक्ष यात्रियों को कॉल करने की अनुमति होती है. शटल कोलंबिया के दूसरे और तीसरे मिशन के दौरान कैपकॉम के रूप में मेरे काम की पुष्टि हुई. मैं दबाव की स्थिति में भी शांत रहकर काम कर सकती थी.

फिर अप्रैल 1982 में, मेरा सबसे बड़ा सपना सच हुआ. अन्य अंतरिक्ष यात्रियों रॉबर्ट क्रिप्पन, फ्रेडरिक हक, जॉन फैबियन और नॉर्मन थगार्ड के साथ मुझे भी चुना गया. तब मेरी उम्र बत्तीस साल की थी. मैं अंतरिक्ष में सबसे कम उम्र की अमेरिकी नागरिक, और पहली अमेरिकी महिला बनने वाली थी!

मैंने अगले वर्ष उड़ान की तैयारी के लिए अन्य चालक दल के सदस्यों के साथ मिलकर काम किया. आखिरकार, 18 जून, 1983 को, मैंने चैलेंजर स्पेस शटल में अंतरिक्ष की यात्रा की. वो मेरे जीवन का सबसे सुनहरा दिन था.

मिशन के दौरान, अंतरिक्ष यात्री जॉन फैबियन और मैंने RMS का सफलतापूर्वक उपयोग किया. हमने उन विज्ञान प्रयोगों का भी निरीक्षण किया जिन्हें कंपनियों और स्कूलों ने अंतरिक्ष में भेजा था. लेकिन अंतरिक्ष के बारे में मेरी सबसे मनपसंद चीज हर रात पृथ्वी को निहारना थी. वो नज़ारा अतुल्य था!

जब हम पृथ्वी पर लौटे, तो मुझ पर लोगों का बहुत ध्यान गया क्योंकि मैं अंतरिक्ष में जाने वाली पहली अमेरिकी महिला थी. लेकिन मैं चाहती थी कि लोगों का आकर्षण मुझसे हटकर विज्ञान की रोमांचक प्रगति पर जाए. फिर भी, मुझे देश भर की युवा महिलाओं और लड़कियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत बनने का आनंद प्राप्त हुआ.

मैं भाग्यशाली थी कि मुझे अंतरिक्ष में यात्रा का दूसरा मौका भी मिला. अक्टूबर 5, 1984 को मैंने चैलेंजर पर फिर से उड़ान भरी. यह तेरहवां अंतरिक्ष यान मिशन था. इस बार, मैं यात्रा में एकमात्र महिला नहीं थी - अंतरिक्ष यात्री कैथरीन सुलिवन भी चालक दल का हिस्सा थीं.

पॉल स्कली - पावर रॉबर्ट एल क्रिपिन मार्क गर्नियो

जॉन मैकब्राइड मैं कैथरीन डी. सुलिवन डेविड लेस्तेमा

जून 1985 को मुझे तीसरी बार अंतरिक्ष में उड़ान भरने का काम सौंपा गया. लेकिन मेरा प्रशिक्षण तब रुक गया जब एक भयानक दुर्घटना हुई. 28 जनवरी,1986 को, वही शटल जिसे मैं अंतरिक्ष में लेकर जाने वाली थी - चैलेंजर में टेकऑफ के ठीक बाद विस्फोट हो गया, जिसमें चालक दल के सभी सदस्य मारे गए.

उससे पूरा देश सदमे में डूब गया. मारे गए सभी अंतरिक्ष यात्री मेरे मित्र और सहकर्मी थे इसलिए चैलेंजर की आपदा से मुझे गहरा दुख हुआ था. राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने दुर्घटना की जांच के लिए तेरह लोगों की एक समिति बनाई. मैं एकमात्र अंतरिक्ष यात्री थी जिसे उन्होंने इस समिति का सदस्य बनाया.

चंद्रमा की सतह

जांच के बाद, मैं नासा प्रशासन में शामिल हो गई और मैंने उनकी योजना बनाने में मदद की! फिर 1987 में, मैं एक विज्ञान फेलोशिप के लिए स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में लौटी. 1989 में, मैं कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में स्थित कैलिफोर्निया अंतरिक्ष संस्थान में प्रोफेसर और निदेशक बनी. मैं अपने पहली रूचि - भौतिकी अनुसंधान में वापिस लौटी.

विज्ञान के प्रति मेरा प्रेम मुझे बहुत ऊंचाइयों तक ले गया था, और अब मैं उस आनंद को दूसरों तक पहुंचाना चाहती थी. इसलिए 1986 में मैंने अंतरिक्ष में अपने अद्भुत अनुभवों को साझा करने के लिए "टू स्पेस एंड बैक" नामक बच्चों की एक किताब का सह-लेखन किया. मैंने विज्ञान और अंतरिक्ष के बारे में बच्चों के लिए छह अन्य किताबें लिखीं.

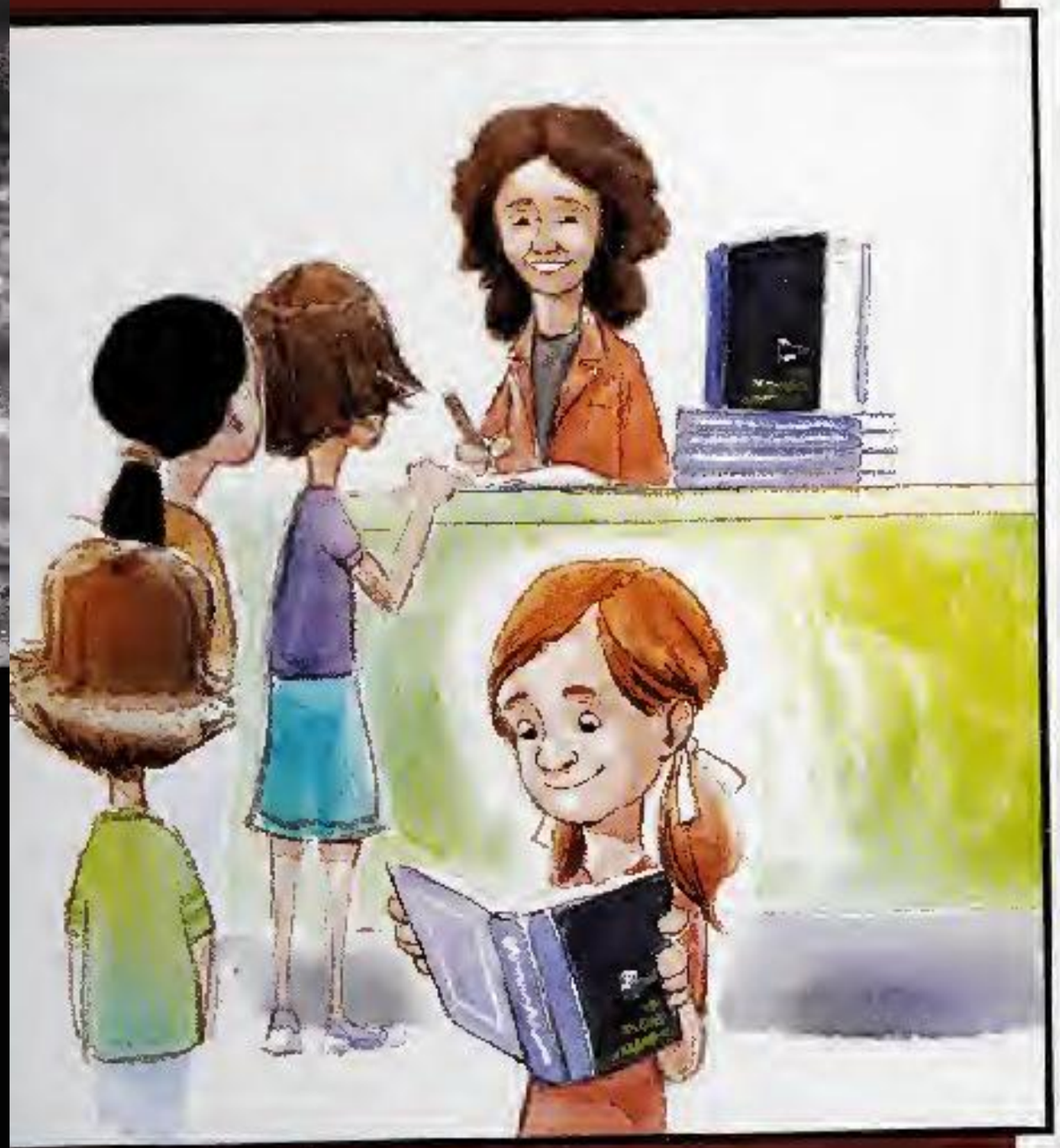

1995 में, मैंने नासा की एक अन्य प्रोजेक्ट शुरू करने में मदद की. इस प्रोजेक्ट में मिडिल-स्कूल के छात्र अंतरिक्ष शटल मिशन में एक विशेष कैमरे का उपयोग करके पृथ्वी की तस्वीरें लेना सीखते थे. 2001 में, अर्थकैम कैमरा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर स्थायी रूप से स्थापित किया गया था.

अर्थकैम

अर्थकैम से ली गई तस्वीरें

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन

आज, दुनिया भर के छात्र अंतरिक्ष से नए फोटो ले जाने का अनुरोध कर सकते हैं, और वे मौजूदा तस्वीरों की अर्थकम पुस्तकालय को भी देख सकते हैं. मिडिल-स्कूल के छात्रों ने मूनकैम प्रोजेक्ट के माध्यम से चंद्रमा की सतह की नज़दीकी से तस्वीरें देखी. उसके लिए भी मैंने नासा के साथ काम किया.

2001 में, मैंने बच्चों और विशेष रूप से लड़कियों को विज्ञान और गणित में प्रोत्साहित करने के लिए अपनी खुद की कंपनी "सैली राइड साइंस" की स्थापना की. सैली राइड साइंस वर्कशॉप्स, शैक्षिक सामग्री और विज्ञान पर्वों के माध्यम से देश भर के छात्रों और शिक्षकों के लिए विज्ञान के विषय को रोचक बनाती है. 23 जुलाई, 2012 को 61 वर्ष की आयु में अग्नाशय के कैंसर से मेरी मृत्यु हो गई. मैंने अपने जीवन में कई सम्मान और पुरस्कार प्राप्त किए, जिसमें राष्ट्रीय महिला हॉल ऑफ फेम के साथ, एस्ट्रोनॉट हॉल ऑफ फेम और एविएशन हॉल ऑफ फेम भी शामिल हैं. लेकिन मेरा सबसे बड़ा सम्मान है - दुनिया भर के युवाओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बनना.

समय रेखा

26 मई, 1951 : लॉस एंजिल्स में मेरा जन्म हुआ.

1973 : मैंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से भौतिकी और अंग्रेजी में डिग्री हासिल की.

1978 : मुझे नासा में शामिल होने के लिए चुना गया, और 1979 के अंतरिक्ष यात्रियों का हिस्सा बनी.

जून 18, 1983 : चैलेंजर स्पेस शटल क्रू के एक सदस्य के रूप में, मैं सबसे कम उम्र की अमेरिकी और अंतरिक्ष में पहली अमेरिकी महिला बनी.

5 अक्टूबर, 1984 : मैंने चैलेंजर पर फिर से दूसरे अंतरिक्ष यान मिशन में उड़ान भरी.

1986 : मैंने बच्चों के लिए "टू स्पेस एंड बैक" नामक किताब लिखी.

1989 : मैं सैन डिएगो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में स्थित कैलिफोर्निया अंतरिक्ष संस्थान की प्रोफेसर और निदेशक बनी.

2001 : मैंने एक कंपनी "सैली राइड साइंस" की स्थापना की, ताकि बच्चों की गणित और विज्ञान में रुचि जग सके.

23 जुलाई, 2012 : अग्नाशय के कैंसर से मेरी मृत्यु हुई.